राष्ट्रीय
www.samaylive.com
सच कहने की हिम्मत
सहारा
राष्ट्रीयता • कर्त्तव्य • समर्पण

...टना • कानपुर • देहरादून • वाराणसी से प्रकाशित

नई दिल्ली। बृहस्पतिवार • 18 दिसम्बर • 2014

स्कूलों ने चौकसी बढ़ाई

पेशावर के आर्मी स्कूल में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर उठाया कदम

नई दिल्ली (एसएनबी)। पेशावर के आर्मी स्कूल में हुए आतंकी हमले के बाद से दिल्ली के विद्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था चाकचौबंद कर दी गई है। पब्लिक स्कूलों ने जहां सीसीटीवी कैमरों सहित अन्य सुरक्षा इंतजाम किए हैं वहीं अभिभावकों के लिए एक विशेष गाइडलाइन जारी की है। जबकि सरकारी स्कूलों में बेहतर इंतजाम के लिए शिक्षा निदेशालय ने दिल्ली पुलिस से मदद मांगी है।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आए बदलाव का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दिल्ली के एक पब्लिक स्कूल ने अभिभावकों को एसएमएस के माध्यम से सूचित किया है कि अब उन्हें निर्धारित पहचान पत्र के साथ केवल मिलने के लिए पूर्व निर्धारित समय में ही स्कूल परिसर में आने दिया जाएगा। पीतमपुरा स्थित एमसी जिंदल पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य डीके पांडे ने बताया कि पेशावर की घटना के बाद हमने अपने स्कूल के बच्चों और उनके अभिभावकों को विशेष निर्देश जारी किए हैं।

उन्होंने कहा कि इन निर्देशों में बच्चों को अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहने और अभिभावकों अनावश्यक स्कूल आने से परहेज करने के लिए कहा गया है। पांडे ने बताया कि स्कूल में सीसीटीवी लगाने का काम अंतिम चरण में है और अगले एक-दो दिन में काम करना शुरू कर देंगे। इसके अलावा दिल्ली पुलिस को पत्र लिखकर भी स्कूल के आसपास विशेष ध्यान देने की मांग की गई है। रोहिणी स्थित माउंट आबू पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य ज्योति अरोड़ा का कहना है कि स्कूल में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से मॉनिटरिंग की जा रही है और सुरक्षाकर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई है।

- पब्लिक स्कूलों ने सीसीटीवी कैमरों और अन्य सुरक्षा इंतजाम किए
- अभिभावकों के लिए जारी की विशेष गाइडलाइन
- सरकारी स्कूलों में बेहतर इंतजाम के लिए शिक्षा निदेशालय ने दिल्ली पुलिस से मांगी मदद

पीतमपुरा स्थित एमएम पब्लिक स्कूल के निदेशक सोमेश पाठक ने बताया कि उनके यहां मुख्य द्वार से किसी भी बाहरी व्यक्ति चाहे वो अभिभावक ही क्यों न हो, को बिना उसकी पहचान सुनिश्चित किए अंदर जाने नहीं दिया जा रहा है।

दिल्ली सरकार के प्रधान सचिव (शिक्षा) अनिंदो मजूमदार ने कहा कि पेशावर की घटना के बाद से ही दिल्ली के एक हजार स्कूलों में पढ़ने वाले 16 लाख बच्चों की सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस के आला अधिकारियों के संपर्क में हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में शिक्षा निदेशक को आवश्यक तैयारी करने के लिए कहा गया है। गवर्नमेंट स्कूल टीचर्स ऐसोसिएशन के प्रवक्ता तपेश्वर महतो का कहना है कि सरकारी स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे है और किसी भी दिन कोई अप्रिय घटना घट सकती है। इसलिए प्रशासन को इस दिशा में किसी अप्रिय घटना घटने से पहले ही आवश्यक कदम उठाने चाहिए।